Code–MPI-E 301
M.A. SEMESTER-III
Examination-2021
Subject : Philosophy
Paper Name- Philosphy of Dyananda (दयानन्द दर्शन)

Maximum marks:70
Pass Percentage: 40%

Time : Three Hours

नोट– प्रश्नपत्र दो भाग 'ए' तथा 'बी' में विभक्त है। निर्देशानुसार दोनों भाग कीजिए।

(सेक्शन–ए)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही पाँच प्रश्नों के प्रति प्रश्न लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है। (5X6=30 अंक)

1. सुधार आन्दोलन में महात्मा बुद्ध की क्या भूमिका है?
2. सुधार आन्दोलन में कुमारिल भट्ट की भूमिका बताइये।
3. षड़दर्शनों पर दयानन्द जी के विचार लिखिए।
4. उपनिषदों पर दयानन्द जी के क्या विचार है?
5. ज्ञान प्रक्रिया में ज्ञाता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
6. ज्ञान प्रक्रिया में इन्द्रियों की भूमिका बताइये।
7. 'ईश्वर की सिद्धि' दयानन्द जी के अनुसार कीजिए।
8. अवतारवाद के विषय में दयानन्द जी क्या कहते हैं?
9. पुरूषार्थ चतुष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।
10. दयानन्द जी के अनुसार बन्धन क्या है?

(सेक्शन–बी)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (4X10=40 अंक)

11. स्वामी दयानन्द एक जन्मजात दार्शनिक थे। सिद्ध कीजिए।
12. सुधार आन्दोलन में राजाराम मोहनराय की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।
13. वेदों पर दयानन्द जी के विचारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
14. ज्ञान प्रक्रिया में ज्ञाता एवं ज्ञेय के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
15. दयानन्द जी द्वारा बताये गये आठ प्रमाण कौन–कौन से हैं? व्याख्या कीजिए।
16. कर्म सिद्धान्त पर दयानन्द जी के विचार लिखिए।
17. वैदिक शिक्षा पर दयानन्द जी के विचार लिखिए।
18. मुक्ति एवं मुक्ति के साधनों का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।